Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding harnessing of non conventional energy sources in Himalayas.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्षा जी, मैं हिमालय में गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के विकास और संवर्द्धन की दिशा में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। मैं सबसे पहले प्रधान मंत्री जी और ऊर्जा मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ कि देश की आज़ादी के 70 वर्षों के बाद भी 18452 गाँव जो अंधेरे में डूबे हुए थे, उनमें से 13511 गाँव अभी तक विद्युतीकृत हो गए हैं जो 2019 तक पूरे हो जाएँगे। ...(व्यवधान)

महोदया, जैसा कि आप जानती हैं कि आज देश की प्रगति की दिशा में मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप और स्टैंडअप जैसी जो क्रांतिकारी योजनाएँ हैं, वे ऊर्जा पर ही निर्भर होंगी। आज हमारे देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और यह भी ऊर्जा पर ही निर्भर होगी। कोयला पर आधारित जो भी प्लांट हैं, वे पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे हैं इसलिए ऐसी स्थिति में जो ऊर्जा का उत्पादन है, वह प्रदूषण रहित होना चाहिए। हिमालयी राज्यों में जलविद्युत परियोजना, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसी व्यापक संभावनाएँ हैं जिन पर एक विशेष कार्य योजना होनी चाहिए और हाइड्रो, सोलर तथा विंड जैसी परियोजनाओं के लिए एक राष्ट्रीय नीति के साथ-साथ राज्यों द्वारा मिनी और माइक्रो प्रोजैक्टों हेतु स्थानीय जनता को प्रोत्साहित किया जाना भी बहुत ज़रूरी है। इससे हमारे समृद्ध भारत का सपना भी पूरा होगा। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ कि समूचे हिमालय के क्षेत्र में सर्वेक्षण कराकर पंचायत स्तर पर विभिन्न प्रोजैक्टों के लिए स्थान चिह्नित किए जाएँ और स्थानीय लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान करके उनकी इन परियोजनाओं में भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इससे पलायन भी रुकेगा, देश की अर्थव्यवस्था भी मज़बूत होगी और ऊर्जा का संरक्षण भी होगा।

माननीय अध्यक्ष :

श्री पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अर्जुन लाल मीणा एवं

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।